दिनांक: 14 सितम्बर 2023

पूर्वी आर्थिक मंच

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "पूर्वी आर्थिक मंच" शामिल हैं। यह संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के अर्थव्यवस्था अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *पूर्वी आर्थिक मंच के बारे में?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन-02: अर्थव्यवस्था*
- *भारत के लिए व्लादिवोस्तोक–चेन्नई समुद्री गलियारे का महत्व?*

सुर्खियों में क्यों:-

- हाल ही में,रूस ने व्लादिवोस्तोक में 8 वां पूर्वी आर्थिक मंच 10 से 13 सितंबर 2023 के लिए मेजबानी किया।

पूर्वी आर्थिक मंच के बारे में:-

- पूर्वी आर्थिक मंच एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है जो रूस के व्लादिवोस्तोक में सालाना होता है। यह रूसी और वैश्विक निवेश समुदायों के भीतर संबंधों के निर्माण और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य करता है।
- यह मंच रूसी सुदूर पूर्व की आर्थिक क्षमता क्षेत्र में आर्थिक क्षमता, उपयुक्त व्यावसायिक परिस्थितियों और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करता है।
- रूस ने एशियाई व्यापारिक मार्गों से रूस को जोड़ने के उद्देश्य से इस क्षेत्र को रणनीतिक रूप से विकसित किया है।
- व्लादिवोस्तोक, खाबरोवस्क, उलान-उडे, चिता और अन्य शहरों के तेज़ी से आधुनिकीकरण के साथ रूस का लक्ष्य इस क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करना है।
- इस क्षेत्र में चीन द्वारा किया गया निवेश कुल निवेश का 90% है।

8 वें पूर्वी आर्थिक मंच 2023 में भारत की भागीदारी:

- केन्द्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने रूस में पूर्वी आर्थिक मंच में भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- श्री सोनोवाल ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूर्वी समुद्री गलियारे, उत्तरी सागर मार्ग की संभावनाओं का पता लगाने और बंगाल की खाड़ी में एक ट्रांस-शिपमेंट हब की स्थापना पर सत्र में बात की।
- व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री गलियारा एक प्रस्तावित समुद्री मार्ग है जो लगभग 5,600 समुद्री मील या लगभग 10,300 किमी को कवर करता है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाना है।
- यह नया समुद्री मार्ग भारत और रूस के पूर्वी बंदरगाह शहरों को जोड़ता है।

- **इस गलियारे के मलक्का जलडमरूमध्य से होते हुए जापान सागर, पूर्व और दक्षिण चीन सागर को कवर कर बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की उम्मीद है।** रूस के साथ आर्थिक जुड़ाव के क्षेत्रों में परिवहन, ऊर्जा, कृषि, उद्योग और अंतरिक्ष शामिल हैं।

व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री गलियारा कई कारणों से भारत के लिए महत्वपूर्ण महत्व रखता है:-

- **दक्षता और कनेक्टिविटी:** लगभग 5,600 समुद्री मील तक फैला यह समुद्री मार्ग, भारत में पूर्वी बंदरगाह शहर चेन्नई को रूस में व्लादिवोस्तोक से जोड़ता है। यह परिवहन समय को केवल 24 दिनों तक कम कर देता है, जबकि वर्तमान में यूरोप के माध्यम से भारत से सुदूर पूर्व रूस तक माल परिवहन में 40 दिन लगते हैं।
- **व्यापार और निवेश के अवसर:** गलियारा व्यापार और निवेश के अवसरों की दुनिया के लिए दरवाजे खोलता है। यह भारत और रूस के बीच वस्तुओं, संसाधनों और विशेषज्ञता के पारस्परिक रूप से लाभकारी आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त करता है।
- **भू-रणनीतिक महत्व:** गलियारे का उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करना है। यह चीन के समुद्री रेशम मार्ग के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियां पेश करता है।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** यह गलियारा भारत के लिए रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र से प्राकृतिक संसाधनों का आयात करके अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने का अवसर प्रदान करता है। यह मध्य पूर्वी देशों पर भारत की निर्भरता को कम कर सकता है और एक अधिक सुरक्षित, स्थिर ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित कर सकता है।
- **बुनियादी ढांचे का विकास और रोजगार के अवसर:** इस गलियारे के विकास से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का विकास हो सकता है और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।
- **द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना:** गलियारे से भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है। यह दो प्रमुख बंदरगाहों के बीच कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है, जो भारत और रूसी सुदूर पूर्व के बीच सहयोग को गति देगा

स्रोत: https://www.thehindu.com/news/international/india-russia-exploring-use-of-northern-sea-route-eastern-maritime-corridor/article67304566.ece

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. व्लादिवोस्तोक रूस के पश्चिमी भाग में स्थित है।
2. चेन्नई व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा प्रमुख प्राचीन व्यापारिक मार्गों में से एक है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

प्रश्न-02. चेन्नई व्लादिवोस्तोक गलियारे के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह दक्षिण चीन सागर से होकर गुजरता है।
2. यह प्राचीन रेशम मार्ग का एक हिस्सा है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03. व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री गलियारा भारत के व्यापार और विदेशी संबंधों में एक महत्वपूर्ण विकास है। भारत की आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक स्थिति पर इस गलियारे के संभावित प्रभाव पर चर्चा करें।

Rajiv Pandey

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार" शामिल हैं। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा के "विज्ञान और प्रौद्योगिकी" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार क्या हैं?*
- *सीएसआईआर और इसकी संगठनात्मक संरचना क्या है?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन-03: विज्ञान और प्रौद्योगिकी*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही में, लगभग एक साल की देरी के बाद, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने आधिकारिक तौर पर वर्ष 2022 के लिए शांति स्वरूप भटनागर (एसएसबी) पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की है।

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार-

- इस पुरस्कार का नाम वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के संस्थापक निदेशक स्वर्गीय डॉ. (सर) शांति स्वरूप भटनागर के नाम पर रखा गया है और यह पुरस्कार शांति स्वारूप भटनागर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पुरस्कार के नाम से जाना जाता है।
- यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

पात्रता और मानदंड:-

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में अनुसंधानरत, कोई भी भारतीय नागरिक, जिसकी आयु पुरस्कार वर्ष के पूर्ववर्ती वर्ष में 31 दिसम्बर को 45 वर्ष तक हो। भारत के विदेशी नागरिक (ओ.सी.आई) और भारत में काम करने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति (पी.आई.ओ) भी पात्र है
- यह पुरस्कार उस व्यक्ति को प्रदान किया जाता है , सीएसआईआर के मतानुसार जिसने अपनी विशेषज्ञता के विशिष्ट क्षेत्र में मानव ज्ञान एवं प्रगति-मौलिक अथवा अनुप्रयुक्त के लिए सुस्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट योगदान दिया हो |
- यह पुरस्कार, पुरस्कार वर्ष से पहले के पाँच वर्षो के दौरान मुख्यित:भारत में किये गए कार्य के माध्यम से दिए गए योगदान के आधार पर प्रदान किया जाता हैं (यहाँ मुख्येत: से तात्पुर्य अधिकांश से है)।
- पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र, एक पट्टिका और ₹ 5 लाख का नकद पुरस्कार मिलता है। इसके अलावा, प्राप्तकर्ताओं को **65 वर्ष की आयु तक ₹ 15,000 का मासिक वजीफा दिया जाता** है, जो उनके चल रहे वैज्ञानिक प्रयासों के लिए सहायता प्रदान करता है।
- 2022 के पुरस्कारों में, पहली पांच श्रेणियों में दो वैज्ञानिकों को चुना गया था, जबकि पृथ्वी और ग्रह और चिकित्सा विज्ञान में एक-एक वैज्ञानिक को सम्मानित किया गया था।

पुरस्कार श्रेणियाँ:

- भौतिक विज्ञान
- जैविक विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- गणितीय विज्ञान
- इंजीनियरिंग विज्ञान
- पृथ्वी और ग्रह विज्ञान
- चिकित्सा विज्ञान

घोषणा और वितरण:

- पुरस्कार प्राप्तकर्ताओ के नामों की सार्वजानिक घोषणा 26 सितम्बर, सीएसआईआर स्था पना दिवस पर महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा की जाती हैं।
- पुरस्कार भारत के प्रधान मंत्री द्वारा प्राप्तकर्ताओं को प्रस्तुत किए जाते हैं, जो इन सम्मानों की प्रतिष्ठा और महत्व को बढ़ाते हैं।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) भारत में एक प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संगठन है।
- सितंबर 1942 में भारत सरकार द्वारा स्थापित, सीएसआईआर भारत में सबसे बड़े अनुसंधान और विकास संगठन के रूप में उभरा है।
- सीएसआईआर विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एक स्वायत्त निकाय है और 1860 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत संचालित होता है।
- सीएसआईआर के पास 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 दूरस्थ केंद्रों, 3 नवोन्मेषी परिसरों और 5 इकाइयों का एक सक्रिय नेटवर्क शामिल हैं।
- इसमें वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, भौतिकी (Space Physics), समुद्र विज्ञान (Oceanography), भू-भौतिकी (Geophysics), रसायन, ड्रग्स, जीनोमिक्स (Genomics), जैव प्रौद्योगिकी और नैनोटेक्नोलॉजी से लेकर खनन, वैमानिकी (Aeronautics), उपकरण विज्ञान (Instrumentation), पर्यावरण अभियांत्रिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तक की एक विस्तृत विषय श्रृंखला को शामिल करता है।

सीएसआईआर की संगठनात्मक संरचना:-

- अध्यक्ष: भारत का प्रधानमंत्री (पदेन अध्यक्ष)
- उपाध्यक्ष: केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री (पदेन उपाध्यक्ष)
- शासी निकाय/संचालक मंडल: महानिदेशक (Director General) शासी निकाय का प्रमुख होता है।
- इसके अतिरिक्त वित्त सचिव (व्यय) इसका पदेन सदस्य होता हैं।
- अन्य सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों का होता है।
- CSIR सलाहकार बोर्ड: यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों का 15 सदस्यीय निकाय होता है।
- इसका कार्य शासी निकाय को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी सलाह या इनपुट्स प्रदान करना है।
- इसके सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों का होता है।

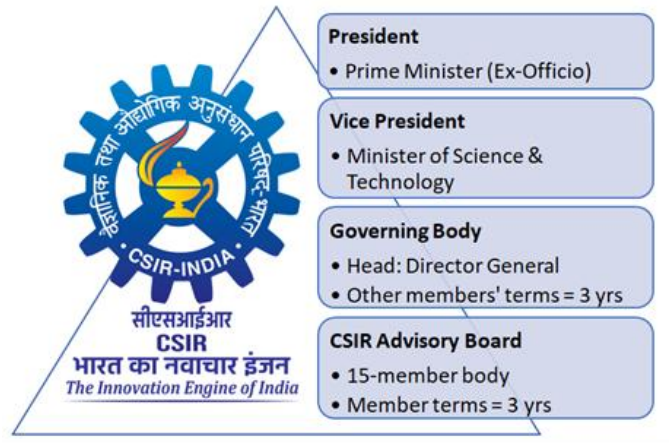

स्त्रोत न्यूज़ – द इंडियन एक्सप्रेस।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केवल अनुसंधान में लगे भारतीय नागरिक ही शोध के लिए पात्र हैं।
2. पुरस्कार के लिए शोध किया गया योगदान मुख्य रूप से पिछले पांच वर्षों के भीतर भारत में आयोजित कार्यों पर आधारित होना चाहिए।
3. ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (OIC) इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपरोक्त कोई नहीं

उत्तर: C

प्रश्न-02. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अध्यक्ष कौन हैं?

(a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री।
(b) भारत के राष्ट्रपति।
(c) सीएसआईआर के महानिदेशक।
(d) प्रधानमंत्री।

उत्तर: D

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03. भारत में वैज्ञानिक उत्कृष्टता को मान्यता देने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कारों के महत्व पर चर्चा करें।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सम्भव है
yojnaias.com